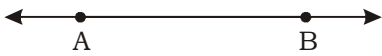


रेखाखण्ड (Line Segment): एक रेखा का वह भाग जिसके दो अंत बिन्दु हो वह रेखाखण्ड कहलाता है।



इसमें AB एक रेखाखण्ड है।

रेखा (Line): एक रेखा जिसकी दोनों ओर कहीं भी बिन्दु न हो वह केवल रेखा कहलाती है।



- रेखा की कोई लम्बाई नहीं होती।
- रेखा के कोई कोने नहीं होते।

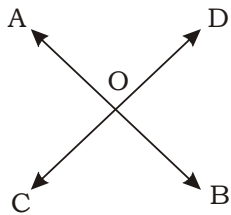
किरण (Ray): एक रेखा का वह भाग जिसके एक ओर बिन्दु हो वह किरण कहलाता है।



सरेख बिन्दु (Collinear Points): यदि तीन या अधिक बिन्दु एक ही रेखा पर स्थित हो, तो वे सरेख बिन्दु कहलाते हैं। A, B, C सरेख बिन्दु है।

प्रतिच्छेदी रेखाएँ एवं अप्रतिच्छेदी रेखाएँ

प्रतिच्छेदी रेखाएँ (Concurrent Lines): दो या उससे अधिक रेखाएँ जब एक-दूसरे से टकराती हुई या काटते हुए निकलती हैं तो वह प्रतिच्छेदी रेखाएँ कहलाती हैं।



\overline{AB} और \overline{CD} प्रतिच्छेदी रेखाएँ हैं।

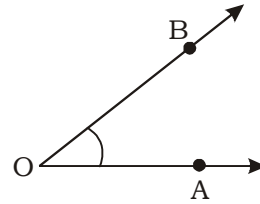
अप्रतिच्छेदी रेखाएँ (Concurrent Lines): जो रेखाएँ एक-दूसरे को न तो काटती हैं, न टकराती हैं और एक-दूसरे से समांतर दूरी बनाए रखती हैं, वह अप्रतिच्छेदी रेखाएँ कहलाती हैं।

कोण (Angle): जब दो किरणों एक ही अंत बिन्दु से प्रारंभ होती हैं, तो एक कोण (Angles) बनता है। कोण को बनाने वाली

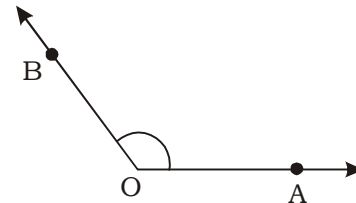
दोनों किरणों कोण की भुजाएँ (Arms या Sides) कहलाती हैं और वह उभयनिष्ठ अंत बिन्दु कोण का शीर्ष (Vertex) कहलाता है।

कोण की वर्गीकरण

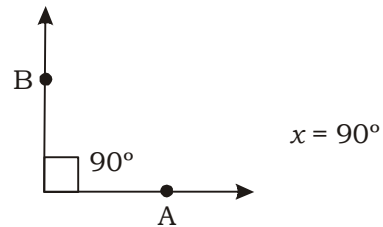
न्यून कोण (Acute Angle): कोण जो 0° के 90° बीच हो



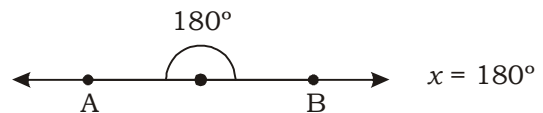
अधिक कोण (Obtuse Angle): कोण जो 90° के 180° बीच हो



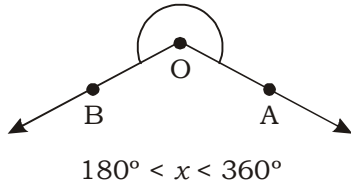
समकोण (Right Angle): कोण जो 90° हो



ऋजु कोण (Straight Angle): ऋजु कोण 180° के बराबर होता है।



प्रतिवर्ती कोण (Reflex Angle): वह कोण जो 180° व से अधिक, परंतु 360° से कम हो वह प्रतिवर्ती कोण कहलाता है।



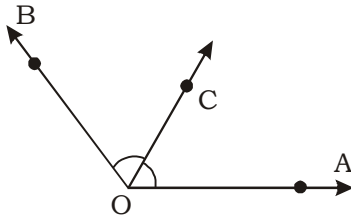
पुरब कोण (Complementary Angle): यदि दो कोणों का योग एक समकोण के बराबर हो तो, वह पूरक कोण कहलाते हैं।

$$x + y = 90^\circ$$

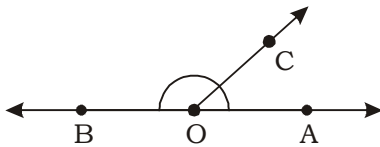
संपूरक कोण (Supplementary Angle): वह दो कोण जिनका योग 180° के बराबर हो, वह पूरक कोण कहलाते हैं।

$$x + y = 180^\circ$$

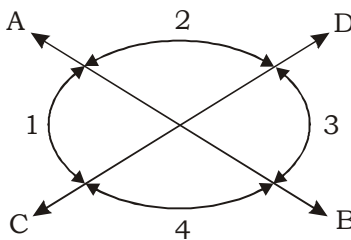
आसन्न कोण (Adjacent Angle): दो कोण आसन्न कोण कहलाते हैं, यदि उनमें एक उभयनिष्ठ शीर्ष हो, एक उभयनिष्ठ भुजा हो और उनकी वे भुजाएँ जो उभयनिष्ठ नहीं हैं, उभयनिष्ठ भुजा के विपरीत ओर स्थित हों।



रैखिक युग्म (Linear Pairs of Angle): एक आसन्न कोण में से एक भुजा को हटा दिया जाए तो, वह एक रैखिक युग्म बनाते हैं।



शीर्षाभिमुख कोण (Vertically Opposite Angle):



$x = y$ (एक शीर्षाभिमुख कोण बनाते हैं)

समांतर रेखाएँ और निर्यक रेखा: आपको याद होगा कि वह रेखा जो दो या अधिक रेखाओं को भिन्न बिन्दुओं पर प्रतिच्छेद करती है एक निर्यक रेखा (Transversal) कहलाती है। l रेखा l रेखाओं m और n को क्रमशः बिन्दुओं P और Q पर प्रतिच्छेद करती है। अतः रेखा l रेखाओं m और n के लिए एक तिर्यक रेखा है। देखिए कि प्रत्येक बिन्दु P और Q पर चार कोण बन रहे हैं।

$\angle 1, \angle 2, \angle 7$ और $\angle 8$ बाह्यः कोण, (Exterior Angles) कहलाते हैं। $\angle 3, \angle 4, \angle 5$ और $\angle 6$, अंतः कोण (interior Angles) कहलाते हैं।

याद कीजिए कि पिछली कक्षाओं में, आपने कुछ कोणों के युग्मों का नामकन किया था, जो एक निर्यक रेखा द्वारा दो रेखाओं को प्रतिच्छेद करने से बनते हैं। ये युग्म निम्न हैं-

(A) **संगत कोण (Corresponding Angles)**

- (i) $\angle 1$ और $\angle 5$
- (ii) $\angle 2$ और $\angle 6$
- (iii) $\angle 4$ और $\angle 8$
- (iv) $\angle 3$ और $\angle 7$

(B) **एकांतर अंतः कोण (Alternate Interior Angles)**

- (i) $\angle 4$ और $\angle 6$
- (ii) $\angle 3$ और $\angle 5$

(C) **एकांतर बाह्य कोण (Alternate Exterior Angles)**

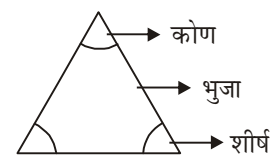
- (i) $\angle 1$ और $\angle 7$
- (ii) $\angle 2$ और $\angle 8$

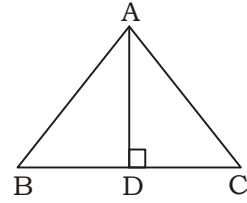
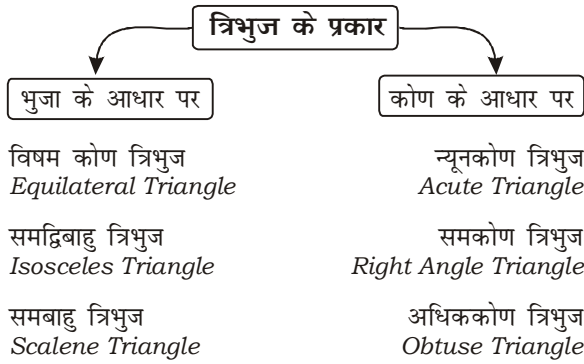
(D) **तिर्यक रेखा के एक ही ओर के अंतः कोण**

- (i) $\angle 4$ और $\angle 5$
- (ii) $\angle 3$ और $\angle 6$

तिर्यक रेखा के एक ही ओर के अंतः कोणों को क्रमागत अंतः कोण (Consecutive Interior Angles) या संबंधित कोण (Allied Angles) या सह-अंतः कोण (Co-interior Angles) भी कहा जाता है। साथ ही, अनेक बार हम एकांतर अंतः कोणों के लिए केवल शब्दों एकांतर कोणों का प्रयोग करते हैं।

त्रिभुज (Triangles): तीन भुजाओं से घिरा वह समतल क्षेत्र जिसमें तीन शीर्ष और तीन कोण होते हैं।





सर्वांगसम तथा समरूप त्रिभुज के क्या तात्पर्य है ?

यदि दो त्रिभुज समान आकार के हो अर्थात् उनके तीनों भुजाओं की लम्बाई तथा तीनों कोणों की माप बराबर हो तो ऐसे त्रिभुज को सर्वांगसम त्रिभुज कहते हैं। निम्नलिखित में से कोई एक शर्त पूरे करने पर दो त्रिभुज सर्वांगसम कहे जाते हैं-

- (i) **भुजा-कोण-भुजा (S-A-S):** अगर किसी दो त्रिभुज की दो भुजाएँ और उनके बीच का कोण बराबर हो।
- (ii) **कोण-भुजा-कोण (A-S-S):** अगर किसी दो त्रिभुज के कोई दो कोण और एक भुजा (कोई जरूरी नहीं की उन्हीं कोणों के बीच की भुजा) बराबर हो।
- (iii) **भुजा-भुजा-भुजा (S-S-S):** अगर दो त्रिभुज की सभी भुजाएँ बराबर हो।
- (iv) **समकोण-कर्ण-भुजा (R-H-S):** अगर एक समकोण त्रिभुज के कर्ण और एक भुजा बराबर है।

दो त्रिभुज समरूप कहे जाते हैं यदि उनके संगत कोण बराबर हों समरूप त्रिभुज के बारे में निम्न बातें स्पष्ट तौर पर मालूम होनी चाहिए।

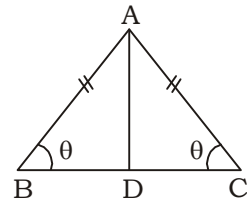
- सभी सर्वांगसम त्रिभुज समरूप होते हैं परंतु सभी समरूप त्रिभुज सर्वांगसम नहीं हो सकते।
- **कोण-कोण-कोण (A-A-A):** अर्थात् दो त्रिभुजों के सभी कोण बराबर हो तो वे समरूप कहे जाएंगे परंतु यह जरूरी नहीं कि वे सर्वांगसम हो। सर्वांगसम होने के लिए भुजा का बराबर होना अनिवार्य है।

त्रिभुज के प्रकार बताएँ

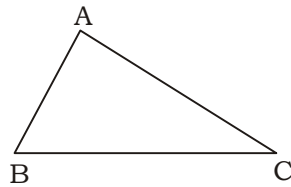
भुजा के आधार पर त्रिभुज तीन प्रकार होते हैं-

- (i) **समबाहु त्रिभुज (Equilateral Triangle):** जिस त्रिभुज की तीनों भुजाएँ बराबर हों। इस त्रिभुज के तीनों कोण भी बराबर होंगे तथा 60° का होगा। A से BC पर डाला गया लम्ब AD, BC को समद्विभाजित करता है। AD, $\angle BAC$ को समद्विभाजित करता है।

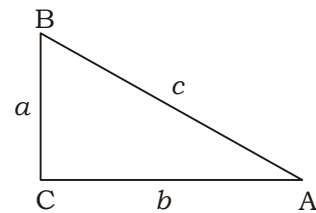
- (ii) **समद्विबाहु त्रिभुज (Isosceles Triangle):** जिस त्रिभुज की दो भुजाएँ बराबर हों। अगर ABC एक समद्विबाहु त्रिभुज इस तरह से है कि $AB = AC$ तो $\angle ABC = \angle ACB$ अर्थात् समद्विबाहु त्रिभुज में समान भुजा के सामने वाले कोण समान होते हैं। A से BC पर डाला गया लम्ब AD, BC को समद्विभाजित करता है। AD को $\angle BAC$ भी समद्विभाजित करता है।



- (iii) **विषमबाहु त्रिभुज (Scalene Triangle):** जिस त्रिभुज की कोई भुजा बराबर नहीं हो। चित्र में ABC एक विषमबाहु त्रिभुज है। इसमें सबसे बड़ी भुजा (माना AC) के सामने वाला कोण ($\angle B$) सबसे बड़ा होगा तथा सबसे छोटी भुजा (माना AB) के सामने वाला कोण ($\angle C$) सबसे छोटा होता है।



कोण के आधार पर त्रिभुज तीन प्रकार के होते हैं-



- (i) **न्यून कोण त्रिभुज (Acute Angled Triangle):** जिस त्रिभुज के प्रत्येक कोण 90° से कम हो।

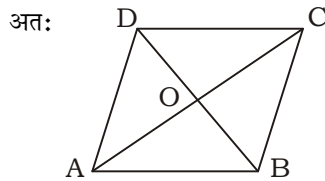
(ii) **समकोण त्रिभुज (Right Angled Triangle):** जिस त्रिभुज का एक कोण 90° हो। अगर ABC एक समकोण त्रिभुज है जिसमें $\angle C = 90^\circ$ हो, तो $AC^2 + BC^2 = AB^2$ या $b^2 + a^2 = c^2$ (पाइथागोरस प्रमेय)

(iii) **अधिक कोण त्रिभुज (Obtuse Angled Triangle):** जिस त्रिभुज का एक कोण 90° से 180° के बीच हो उसे अधिक कोण त्रिभुज कहते हैं।

नोट: किसी भी त्रिभुज में कम से कम दो न्यूनकोण (90° से कम) अवश्य होंगे।

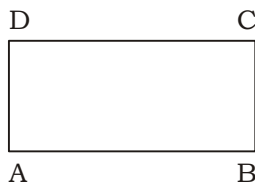
चतुर्भुजों के प्रकार तथा उनकी विशेषताएँ क्या हैं?

(i) **समांतर या समानांतर चतुर्भुज (Parallelogram):** जिस चतुर्भुज के आमने-सामने की भुजाएँ सतांतर हों उसे समांतर चतुर्भुज कहते हैं। इनके आमने-सामने की भुजाएँ बराबर होती हैं तथा विकर्ण एक-दूसरे को समद्विभाजित करते हैं। चित्र में ABCD एक समांतर चतुर्भुज है। जहाँ $AB \parallel DC$ तथा $AD \parallel BC$



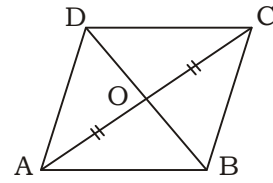
- (i) $AB = CD$ तथा $AD = BC$
- (ii) $AO = OC$ तथा $BO = OD$
- (iii) $\angle A + \angle D = 180^\circ$, $\angle B + \angle C = 180^\circ$ आदि।
- (iv) $\triangle AOB$, $\triangle COD$ तथा $\triangle AOD$, $\triangle COB$
- (v) $\triangle ABC \cong \triangle CDA$
- (vi) $\triangle AOB$, $\triangle BOC$, $\triangle COB$ तथा $\triangle AOD$ के क्षेत्रफल बराबर हैं।

(ii) **आयत (Rectangle):** वह समांतर चतुर्भुज जिसके सभी कोण 90° हों, आयत कहलाता है। अतः सभी आयत एक समांतर चतुर्भुज है परंतु सभी समांतर चतुर्भुज आयत नहीं हैं।



आयत के विकर्ण बराबर होते हैं ($AC = BD$) परंतु समांतर चतुर्भुज के विकर्ण बराबर नहीं भी हो सकते हैं।

(iii) **समचतुर्भुज या विषमकोण समचतुर्भुज (Rhombus):** वह समांतर चतुर्भुज जिसकी सभी भुजाएँ बराबर हों समचतुर्भुज कहलाती है।



समलम्ब चतुर्भुज के विकर्ण समकोण पर समद्विभाजित होते हैं। अर्थात् चित्र

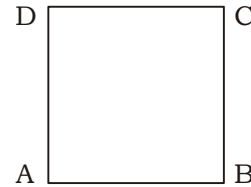
(a) $AO = OC$

तथा

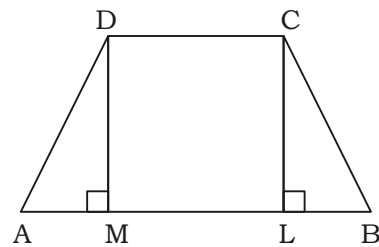
$OB = OD$

(b) $\angle AOB = \angle BOC = \angle COD$
 $= \angle DOA = 90^\circ$

(iv) **वर्ग (Square):** वह समांतर चतुर्भुज जिसकी भुजाएँ बराबर हों तथा सभी कोण 90° हों वर्ग कहलाता है या फिर वह आयत जिसकी सभी भुजाएँ बराबर हों वर्ग कहलाता है या फिर वह समचतुर्भुज जिसके सभी कोण 90° हों, वर्ग कहलाता है।



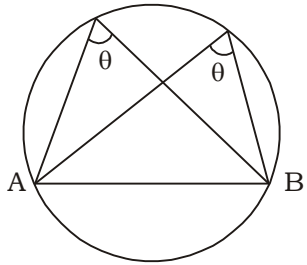
(v) **समलम्ब चतुर्भुज (Trapezium):** वह चतुर्भुज जिसकी दो भुजाएँ समानांतर हों तथा शेष दो भुजाएँ समांतर न हों समलम्ब चतुर्भुज कहलाती है इसमें लम्ब DM तथा CL बराबर (सम) होता है।



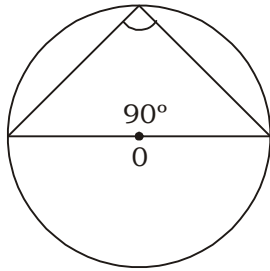
(vi) किसी चतुर्भुज के मध्य बिन्दुओं को मिलाने से बने चतुर्भुज समांतर चतुर्भुज होते हैं।

वृत्त से संबंधित मुख्य ज्यामितीय गुण क्या-क्या हैं?

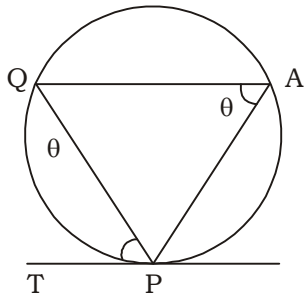
(i) समान आधार (या जीवा AB) के एक ही खण्ड पर बनाये गये कोण बराबर होते हैं।



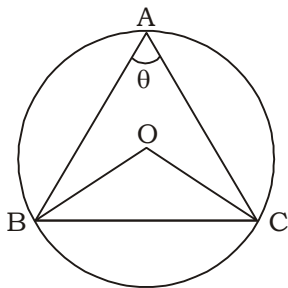
(ii) अर्द्धवृत्त के कोण समकोण होते हैं।



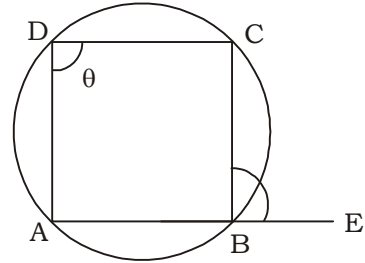
(iii) अगर रेखा PT वृत्त को P बिन्दु पर स्पर्श करती है तथा स्पर्श बिन्दु P से PQ कोई जीवा खींची जाती है, तो PQ द्वारा संगत एकांतर खण्डों में बनाया गया कोण (चित्र में $\angle PAQ$) के बराबर होता है।



(iv) एक जीवा (चित्र में BC) द्वारा वृत्त के केन्द्र (चित्र में O) पर बनाया गया कोण वृत्त के एकांतर खण्ड के परिधि पर बनाये गए कोण (चित्र में $\angle BAC$) का दुगना होता है।

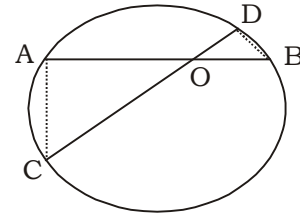


(v) वृत्त की परिधि पर चार बिन्दु लेकर उसके भीतर बनाये गए चतुर्भुज को चक्रीय चतुर्भुज कहते हैं। इनके आमने-सामने के कोणों का योग 180° होता है। (अर्थात् $\angle A + \angle C = 180^\circ$ तथा $\angle B + \angle D = 180^\circ$) इसका विलोम भी सत्य है अगर AB को E तक बढ़ाया जाए तो $\angle CBE = \angle D = \theta$



(vi) एक वृत्त के भीतर अगर एक समांतर चतुर्भुज बनाया जाए तो वह आयत अथवा वर्ग होगा।

(vii) यदि वृत्त की दो जीवा AB तथा CD आपस में बिन्दु O पर प्रतिच्छेदी करे तो $\triangle AOC$ तथा $\triangle DOB$ (चित्र देखें) समरूप होंगे। (यहाँ $\angle A = \angle D$, $\angle C = \angle B$ तथा $\angle BOD = \angle AOC$)

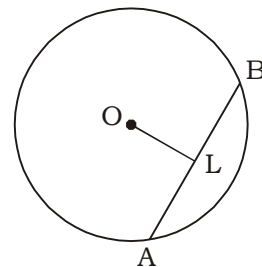


अतः $\frac{AO}{DO} = \frac{AC}{DB} = \frac{OC}{OB}$

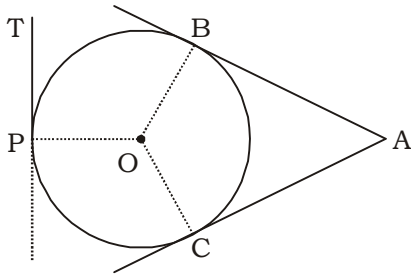
या $(AO)(OB) = (OC)(OD)$

(viii) वृत्त के केन्द्र से जीवा पर डाला गया लम्ब उसे समद्विभाजित करता है इसका विलोम भी सत्य है।

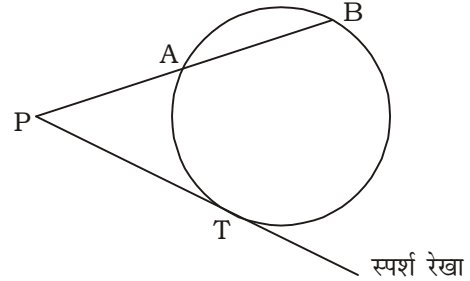
चित्र में $OL \perp rAB \Leftrightarrow AL = BL$



(ix) वृत्त के किसी एक बिन्दु से वृत्त पर केवल एक ही स्पर्श रेखा खींची जा सकती है (चित्र में PT) परंतु वृत्त के किसी बाह्य बिन्दु A से वृत्त पर दो स्पर्श रेखाएँ (AB तथा AC) खींची जा सकती हैं। इन रेखाओं की लम्बाई बराबर होती है अर्थात्
(AB = AC)

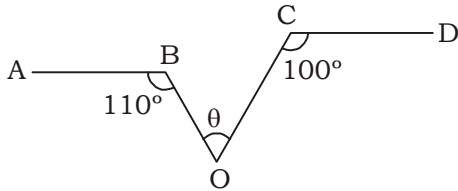


केन्द्र से स्पर्श बिन्दु को मिलाने वाली रेखा, स्पर्श रेखा पर लम्ब होती है। चित्र में $OB \perp rAB$, $OC \perp rAC$ तथा $OP \perp rPT$



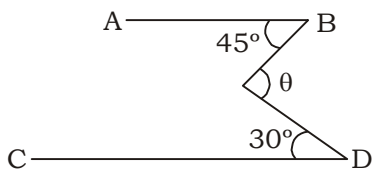
अभ्यास प्रश्न

1. दिए गए चित्र में यदि $AB \parallel CD$ तो θ का मान होगा-



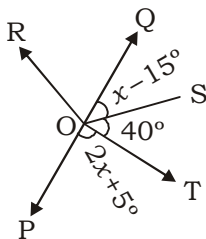
- (A) 30° (B) 40°
(C) 35° (D) 70°

2. दिए गए चित्र में यदि $AB \parallel CD$ तो θ का मान होगा-



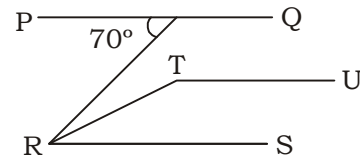
- (A) 105° (B) 85°
(C) 75° (D) 65°

3. दिए गए चित्र में यदि PQ एक सरल रेखा हो तो $\angle ROQ$ का मान होगा-



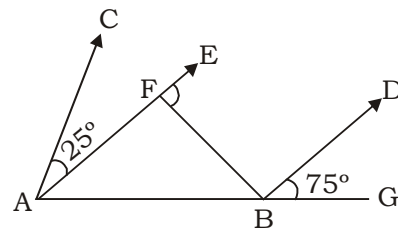
- (A) 30° (B) 40°
(C) 45° (D) 50°

4. दिए गए चित्र में यदि $PQ \parallel RS \parallel TU$ तथा RT, $\angle ORS$ का समद्विभाजक हो, तो $\angle RTU$ होगा-



- (A) 125° (B) 145°
(C) 165° (D) 170°

5. बगल चित्र में, $AC \parallel BD$, $\angle CAF = 25^\circ$, $\angle DBG = 75^\circ$ हो तथा $BF = BA$ हो तो $\angle BFE$ होगा-

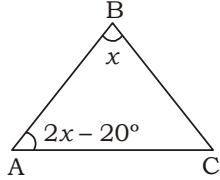


- (A) 100° (B) 80°
(C) 50° (D) 130°

6. एक ऋजुरेखा पर दो आसन्न कोणों का x° तथा $2x^\circ - 27^\circ$ हो तो दोनों कोणा का अंतर होगा-

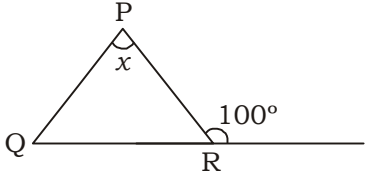
- (A) 42° (B) 69°
(C) 48° (D) 32°

7. दिए गए चित्र में यदि $AB = BC$, $\angle B = x$ तथा $\angle A = 2x - 20^\circ$ हो, तो $\angle B$ का मान होगा-



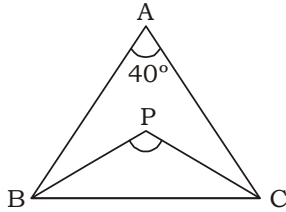
- (A) 46° (B) 44°
(C) 68° (D) 32°

8. दिए गए चित्र में यदि $PQ = PR$ हो तो $\angle QPR$ का मान होगा-



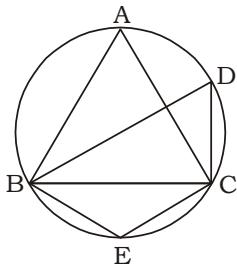
- (A) 80° (B) 30°
(C) 110° (D) 20°

9. दिए गए त्रिभुज में $\angle A = 40^\circ$ है। BP तथा CP क्रमशः $\angle B$ तथा $\angle C$ के समद्विभाजक हैं, $\angle BPC$ होगा-



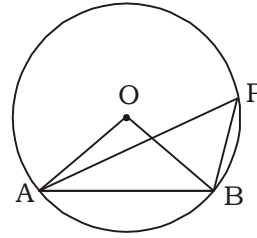
- (A) 80° (B) 90°
(C) 100° (D) 110°

10. दिए गए त्रिभुज ABC समबाहु त्रिभुज है तो $\angle D$ तथा $\angle E$ का अंतर होगा-



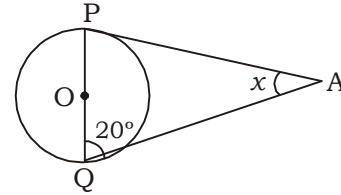
- (A) 30° (B) 60°
(C) 90° (D) 75°

11. दिए गए वृत्त में केन्द्र O पर का $\angle AOB = 90^\circ$ हो, तो $\angle APB$ का मान होगा-



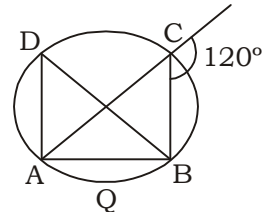
- (A) 25° (B) 90°
(C) 45° (D) 75°

12. दिए गए चित्र में O वृत्त का केन्द्र तथा PA स्पर्श रेखा हो, तो x का मान होगा-



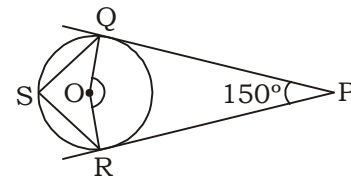
- (A) 40° (B) 30°
(C) 90° (D) 70°

13. चित्र में $\angle ADB$ का मान होगा-



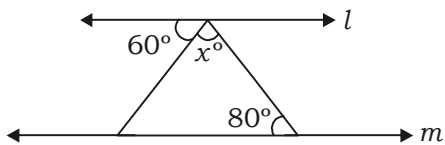
- (A) 60° (B) 120°
(C) 30° (D) 45°

14. दिए गए चित्र में यदि PQ तथा PR स्पर्श रेखाएँ हो, तो $\angle QSR$ होगा-



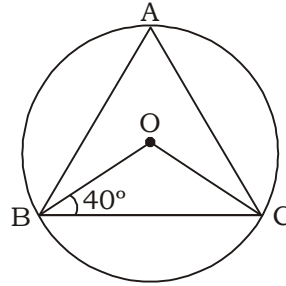
- (A) 65° (B) 130°
(C) 90° (D) 40°

15. किसी सम उत्तल बहुभुज के प्रत्येक अंतःकोण की माप 156° है। बहुभुज की भुजाओं की संख्या है-
(A) 10 (B) 8
(C) 15 (D) 12
16. यदि एक समबहुभुज की भुजाओं की संख्या n है, तो इसकी सममित रेखाओं की संख्या बराबर है
(A) $2n$ (B) n
(C) $\frac{n}{2}$ (D) n^2
17. किसी त्रिभुज की भुजाएँ 6.5 सेमी, 10 सेमी और x सेमी हैं, जहाँ x एक धनात्मक संख्या है। निम्न में से x का न्यूनतम संभव मान क्या है?
(A) 3.5 (B) 4
(C) 4.5 (D) 2.8
18. $\triangle DEF$ और $\triangle PQR$ में, यदि $PQ = DE$, $EF = PR$ और $FD = QR$ है, तब
(A) $\triangle DEF \cong \triangle RPQ$
(B) $\triangle DEF \cong \triangle QPR$
(C) $\triangle DEF \cong \triangle QRP$
(D) $\triangle DEF \cong \triangle PQR$
19. एक चतुर्भुज ABCD में, $\angle D = 60^\circ$ और $\angle C = 100^\circ$ है। $\angle A$ और $\angle B$ के समद्विभाजक बिन्दु P पर मिलते हैं। $\angle APB$ की माप है।
(A) 80° (B) 70°
(C) 100° (D) 60°
20. एक उत्तल समबहुभुज के सभी अंतःकोणों का योगफल 1080° है। इसके प्रत्येक अंतःकोण की माप है।
(A) 108° (B) 135°
(C) 72° (D) 120°
21. यदि किसी त्रिभुज का एक कोण 130° का हो, तो शेष दो कोणों के समद्विभाजकों के बीच बने कोण की माप है।
(A) 65° (B) 115°
(C) 130° (D) 155°
22. दिए गए चित्र में यदि $l \parallel m$, तब x का मान है।



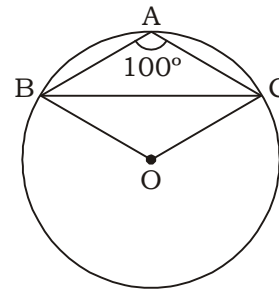
- (A) 60° (B) 80°
(C) 40° (D) 140°

23. दिए गए चित्र में यदि $\angle OAB = 40^\circ$, तब $\angle ACB$ का मान है-



- (A) 50° (B) 40°
(C) 60° (D) 70°

24. निम्न चित्र में O वृत्त का केन्द्र है। $\angle ACB$ का मान है-



- (A) 10° (B) 30°
(C) 20° (D) 40°

25. चतुर्भुज ABCD के शीर्ष एक वृत्त की परिधि पर हैं। यदि AB वृत्त का व्यास हो तथा $\angle ADC = 130^\circ$ हो, तो $\angle BAC$ का मान है।

- (A) 50° (B) 40°
(C) 30° (D) 20°

26. दो समरूप त्रिभुजों के क्षेत्रफल क्रमशः 4 सेमी² व 9 सेमी² हैं। उनकी संगत भुजाओं का अनुपात है।

- (A) 4 : 9 (B) 9 : 4
(C) 3 : 2 (D) 2 : 3

27. किसी चतुर्भुज के कोण 2 : 3 : 5 : 8 के अनुपात में हैं। इसके सबसे बड़े कोण के संपूरक तथा सबसे छोटे कोण के पूरक का योग है-

- (A) 80° (B) 50°
(C) 60° (D) 70°

28. किसी समकोण त्रिभुज की दो भुजाओं की माप 15 सेमी और 17 सेमी है। त्रिभुज की तीसरी भुजा की लंबाई के लिए निम्न कथनों में से कौन-सा/कौन-से सत्य हो सकता है/सकते हैं?
- A. यह 7 सेमी तथा 7 सेमी के बीच में है।
 B. यह 20 सेमी तथा 23 सेमी के बीच में है।
 C. यह 10 सेमी से छोटी है।
- (A) केवल A और C (B) केवल B
 (C) केवल A और B (D) केवल B और C
29. यदि किसी त्रिभुज का एक कोण 110° है तो इसके अन्य दो कोणों के समद्विभाजकों के बीच बने कोण की माप है।
- (A) 145° (B) 90°
 (C) 100° (D) 110°
30. $\triangle ABC$ में, $AB = 4$ सेमी, $AC = 5$ सेमी और $BC = 6$ सेमी है। $\triangle PQR$ में $PR = 4$ सेमी, $PQ = 5$ सेमी और $RQ = 6$ सेमी $\triangle ABC$ सर्वांगसम है।
- (A) $\triangle RPQ$ के (B) $\triangle PQR$ के
 (C) $\triangle PRQ$ के (D) $\triangle QRP$ के